करती है तथा जिम्मेदारी किसी और पर डालती है। परन्तु इस समय मैं इस सवाल को नहीं उठा रहा हूं। मैं आपसे सिर्फ यह पूछना चाहता हूं कि जब से नई गवर्नमेंट बनी है उसके बाद आपने जो काम किया वह यह है कि आपने स्कालरशिप बंद कर दिए हैं। स्कूलों के अन्दर जो प्रतिभाओं का चयन हुआ था, उनकी स्कालरशिप 10-15 दिन पहले सरकार ने बंद कर दी है और उनको लिख दिया है कि अब हम स्कालरशिप नहीं देंगे। आप कहीं से रुपया ला सकें तो लाइए नहीं तो बच्चे को ले जाइए। आपने जो लेटर भेजा है मैं उसको दिखा सकता हूं। यह गवर्नमेंट ने सारे स्कूलों को भेजा है। यहां से चुनकर "साई" ने जो बच्चे भेजे थे उनका स्कालरशिप बंद कर दिया है और पैरेन्ट्स को लेटर डाल दिया गया है कि अगर आप एफोर्ट कर सकें तो बच्चों को रखें। स्कूल वालों ने कहा कि हम बच्चों को निकाल देंगे। नई गवर्नमेंट के आने के बाद पहला कदम आपने यह उठाया है।

दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि जो खिलाड़ी ओलम्पिक्स में गए थे, उनको आपने डेली एलाउन्स नहीं दिया। इट नेवर हैपन्स इन दि हिस्ट्री आफ इंडिया। प्लेयर्स का जो डेली अलाऊंस था, वह भी बंद कर दिया जाए, उनको न दिया जाए। इसी तरह से जो यहां पर स्कूलों में, कालेजों, यूनीवर्सिटीज में तीन करोड़ रुपये हिन्दुस्तान की डेढ़ सौ यूनीवर्सिटीज़ और बीस हजार कालेजों के लिए रखा गया था, उस रुपये को बढ़ाने के लिए आप क्या कर रहे हैं?

SHRI S.R. BOMMAI: Sir, firstly, so far as the 41 NSTC centres are concerned, they will continue. There is a dearth of funds for opening new centres for training. ..*(interruptions)*.. Let me complete. Therefore, I have gone to the Finance Minister asking for more funds so that the scheme is continued and more and more children are trained.

SHRI AJIT P.K. JOGI: The scholarships must continue.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: The scholarships must continue. This is the assurance we want.

SHRI S.R. BOMMAI: The assurance of the Government is to continue. ..*(interruptions)*..

SHRI SIKANDER BAKHT: What has happened to the original allocations?

SHRI S.R. BOMMAI: They will continue. ..*(interruptions)*..

SHRI SIKANDER BAKHT: If it was there, why was it withdrawn? ..*(interruptions)*..

SHRI S.R. BOMMAI: Sir, the 41 NSTC centres are continuing. I want to increase the centres. ..*(interruptions)*.. Definitely I will protect them. ..*(interruptions)*.. I will definitely protect them. There are two views. Some hon. Members want to continue the working of the federations and the associations. ..*(interruptions)*.. Hon. Member, Malhotraji, says that the Sports Authority of India has no power ..*(interruptions)*.. I am not trying to fix the responsibility on anybody. It is the responsibility of all us, including the federations, the Olympic Association and the Government. We should try to coordinate.

MR. CHAIRMAN: Q. NO. 403.

*403. [The questiners (Dr. D. Vnkateshwar Rao and Shrimati Jayaprada Nahata) were absent for answer, vide Col... infra]

पर्वतीय क्षेत्रों में रेल मार्गों का आधुनिकीकरण

*404. **श्री महेश्वर सिंह:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश के पर्वतीय क्षेत्रों में छोटी लाइनों को बड़ी लाइनों में बदलने हेतु कोई योजना बनायी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) हिमाचल प्रदेश में कौन-कौन सी नयी लाइनें बिछाने की योजना है और कौन-कौन सी लाइन का गेज परिवर्तन किया जायेगा;

(घ) क्या सरकार सिलीगुड़ी से दार्जिलिंग तक "टॉय ट्रेन" और कालका-शिमला रेल कार मार्ग का आधुनिकीकरण करने पर भी विचार कर रही है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज): (क) से (ङ) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है?

विवरण

(क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) हिमाचल प्रदेश में ऊना-तलवाड़ा नई लाइन का निर्माण कार्य, जिसे रोक दिया गया था, फिर से शुरू किया जा रहा है। यह लाइन हिमाचल प्रदेश में बिछाई जाएगी। भनुपली-बिलासपुर लाइन के लिए सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है और इस परियोजना के लिए वित्त-पोषण की व्यवस्था रेलवे, हिमाचल प्रदेश सरकार और सीमेंट कंपनियों के बीच लागत में भागीदारी के आधार पर करने के तौर-तरीकों की जांच की जा रही है।

सदस्यों की जोरदार मांग पर, पठानकोट- जोगिंदर-नगर-कांगड़ा घाटी रेल लाइन (164 कि०मी०) के आमान परिवर्तन तथा बड़ी लाइन को मंडी और बिलासपुर के रास्ते बैजनाथ से भनुपली (130 कि०मी०) तक बढ़ाने के लिए सर्वेक्षण के आदेश दे दिए गए हैं। इन परियोजनाओं पर आगे विचार करना तथा संभव होगा जब सर्वेक्षण रिपोर्टें उपलब्ध हो जाएंगी।

(घ) कालका-शिमला खंड पर सुधार कर दिए गए है तथा एक डीलक्स गाड़ी चलाई गई है। बहरहाल, सिलीगुड़ी-दार्जिलिंग खंड के लिए इस समय कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता।

श्री महेश्वर सिंह: सभापति महोदय, मंत्री महोदय ने प्रश्न (ग) के उत्तर में कहा है कि हिमाचल प्रदेश में ऊना-तलवाड़ा नई लाइन का निर्माण कार्य, जिसे रोका गया था फिर से शुरू किया जाएगा। मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि इसके लिए वित्तीय प्रावधान कितना है, यह लाइन कितनी लम्बी है, कब निर्माण कार्य शुरू करेंगे और इस कार्य को पूरा करने के लिए क्या कोई आपने टारगेट रखा है? दूसरा इसी (ग) भाग में मंत्री महोदय ने कहा है कि ऊना-तलवाड़ा बिलासपुर लाइन के लिए सर्वेक्षण पूरा हो गया है और इस परियोजना के लिए वित्त पोषण की व्यवस्था रेलवे, हिमाचल प्रदेश सरकार और सीमेंट कंपनियों के बीच लागत में भागीदारी के आधार पर करने के तौर तरीकों की जांच की जाएगी। मैं जानना चाहूंगा कि यह तौर-तरीके क्या है, वित्तीय प्रावधान कितना है, कब तक इस लाइन का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा तीसरा इसी (ग) भाग के उत्तर में कहा गया है कि सदस्यों की ज़ोरदार मांग पर पठानकोट-जोगिंदरनगर 104 किलोमीटर के अमान परिवर्तन और बड़ी लाइन को जोगिंदरगनर से मंडी होते हुए बिलासपुर भनुपली से जोड़ने के लिए सर्वेक्षण के आदेश दे दिये गये हैं। मैं मंत्री महोदय का ध्यान दिलाना चाहूंगा कि 1920-21 में जब सर्वेक्षण हुआ था तो इस लाइन को जोगिंदरनगर से भुभुपास में टनल बना कर वाया कुल्लु-मंडी तक जोड़ने का सर्वेक्षण हुआ था। जहां आपने यह घोषणा की है मंडी से बिलासपुर जोड़ेंगे तो क्या उस सर्वेक्षण को भी ध्यान में रखा जाएगा ताकि कुल्लु जो पर्यटन की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है, उसको भी जोड़ा जा सके। अंत में, मैं यह जानना चाहूंगा कि जगाधरी पौंटा साहब लाइन का सर्वेक्षण ब्रॉडगेज का 1958 मे पूर्ण हो चुका है और हिमाचल प्रदेश सरकार ने वहां पर जमीन की खरीद-फ़रोक्त पर भी रोक लगा दी है।

MR. CHAIRMAN: Please conclude. You can ask a second supplementary. ..(*interruptions*).. Please conclude. You cannot make a speech.

श्री महेश्वर सिंह: मैं कन्क्लूड कर रहा हूं। (व्यवधान) क्या इस निर्माण कार्य के लिए आपने कोई प्रावधान किया है। (**व्यवधान**)

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): सभापति महोदय, पहला इन्होंने कहा है कि ऊना से तलवाड़ा नयी लाइन का। माननीय सदस्य को मालूम है कि नंगल डैम से ऊना तक 17 किलोमीटर तो पहले बन गया है जिसकी लागत 24 करोड़ रुपये थी। फिर इन्होंने पूछा कि सेंग्शन कब हुई, ऊना-तलवाड़ा नई लाइन 1981-82 में सेंग्शन हुई थी। आपने फिर पूछा कि लम्बाई क्या है। लम्बाई 84 किलोमीटर है। आपने पूछा कि खर्च कितना होगा। खर्च होगा 150 करोड़ रुपये आपने पूछा कब इसके पूरे होने की संभावना है। जैसा कि मैंने कहा कि बकाया जमीन के अभाव में काम को बंद कर दिया था। अभी हमने चीफ मिनिस्टर से परसनली टेलीफोन करके बातचीत की और चीफ मिनिस्टर वहां पर आए थे। पहले का जो एग्रीमेंट था, उस एग्रीमेंट के मुताबिक हिमाचल प्रदेश की सरकार को जमीन देनी थी। पैसे हमको खर्च करने थे। बाद में हिमाचल प्रदेश की सरकार ने कहा कि हम जमीन देने में असमर्थ हैं। हम गरीब राज्य हैं। हम कहां से जमीन देंगे। उसके कारण से उसको बंद कर दिया गया। फिर अभी हमसे बातचीत हुई। हम भी चाहते हैं कि अविकसित एरियाज जो हैं वहां रेलवे लाइन का विस्तार हो। हमने कहा कि आप एक काम कीजिए आपके पास में जो सरकारी जमीन है वह जमीन आप दे दीजिए स्टेट गवर्नमेंट की, बाकी हम उसमें बीयर करेंगे। स्टेट गवर्नमेंट उसके ऊपर तैयार हो गयी। मुख्य मंत्री ने मान लिया है। ज्यों ही जमीन हमें उपलब्ध हो जाएगी

हम उस काम में हाथ लगा देंगे। यह पहला ऊना से लेकर तलवाड़ा तक का है। फिर आपने दूसरी योजना के संबंध में पूछा भानुपल्ली से बिलासपुर बेरी तक। यह जो नयी ब्राड गेज रेलवे लाइन है इसके सर्वेक्षण का काम पूरा कर दिया गया है। जैसा कि माननीय सदस्य को मालूम है कि यह पहाड़ी इलाका है। यहां सीमेंट फैक्ट्री, बिलासपुर में चल रही है। जो सर्वेक्षण करवाया गया था वह रेलवे ने सर्वेक्षण तो जरूर किया था लेकिन उसकी कास्ट राज्य सरकार ने दी थी। उसमें राज्य सरकार की तरफ से यह कहा गया था कि रेलवे, सीमेंट फैक्ट्री और हिमाचल प्रदेश तीनों के सहयोग से रेलवे लाइन बनेगी। इसकी लम्बाई है 63 किलोमीटर। इसकी अनुमानित लागत खर्च है 470 करोड़ रुपये। सर्वे हुआ था नवम्बर 1995 में। अब सर्वे भी जो करवाया गया था वह "राइट्स" ने किया था और उसका भी खर्च हिमाचल प्रदेश की सरकार ने दिया था। उसका जो रिटर्न आने की संभावना है वह है 4 परसेंट। हमको बतलाया गया कि कोंकण रेलवे के कारपोरेशन की तरफ यहां भी कारपोरेशन बनाकर राज्य सरकार काम करना चाहती है। हमने राज्य सरकार को दो बार लिखा है। दो तीन दिन पहले उनका पत्र आया है और उन्होंने कहा है कि आप [illegible] के अधिकृत कर दीजिए और उसके बाद इरकान से हम बातचीत करेंगे और हमने इरकान को बातचीत करने के लिए अधिकृत कर दिया है। अब तीसरा प्वाइंट आपने रखा है पठानकोट से जोगिन्दर नगर का .. (**व्यवधान**) जो पठानकोट से जोगिन्दर नगर है यह माननीय सदस्य को मालूम है कि नैरो गैज है। इसको ब्राड गेज में बदलने का हमने आदेश दे दिया है। लम्बाई सर्वे कराने के बाद पता चलेगी। लेकिन उम्मीद की जाती है कि इसकी लम्बाई 164 किलोमीटर है। मैंने कहा है कि सर्वे इसी वर्ष में पूरा कर दिया जाए। आपने चौथा प्वाइंट रखा है ....(**व्यवधान**) पठानकोट, मंडी बिलासपुर होते हुए भानुपल्ली का। यह नयी रेलवे लाइन है। इसके भी सर्वे का हमने आदेश दे दिया है। अगले वर्ष में यह सर्वे पूरा हो जाएगा और इसकी लम्बाई करीब 130 किलोमीटर है। जहां तक कुल्लू को जोड़ने का सवाल है, मैं उसको देख लूंगा।

श्री महेश्वर सिंह: सभापति महोदय, "घ" भाग में मैंने जानना चाहा था कि जो सिलीगुड़ी-दार्जिलिंग पर इस समय आपकी टाय ट्रेन चलती है और शिमला-कालका में जो आपकी रेल कार चलती है क्या इसको माडर्नाइज करने पर सरकार विचार करेगी। उत्तर सीधा नहीं आया है। तो मैं मंत्री जी से सिर्फ इतना जानना चाहता हूं कि जो रेल कार है क्या इसमें शौचालय आदि की व्यवस्था जोड़ी जाएगी ताकि यह अधिक सुविधाजनक हो सके और इसी प्रकार जो ट्वॉय ट्रेन है वह उस जमाने से लेकर आज तक स्टीम इंजन पर चल रही है। उसको माडर्नाइज करने पर सरकार विचार करेगी ताकि उसमें डीजल इंजन जोड़ा जाए। जैसे आपने कहा कि कुल्लू में रेलवे लाइन सोच रहे हैं लेकिन इसमें बड़ा समय लगेगा तो क्या वहां पर कंप्यूटराइज्ड रिजरवेशन सेंटर खोलने की कुछ व्यवस्था करेंगे?

श्री राम विलास पासवान: सभापति जी, जहां तक सिलीगुड़ी से दार्जिलिंग का सवाल है इसमें अभी तक कोई विशेष आधुनिकीकरण का प्रस्ताव नहीं है। इसलिए नहीं है कि सिलीगुड़ी से दार्जिलिंग का जो रोड से रास्ता है वह तीन घंटे का है और जो ट्रेन से साढ़े आठ घंटे में जाता है। इसलिए उस दृष्टिकोण से कोई इसमें लाभकारी योजना नज़र नहीं आती है, लेकिन फिर भी मैं इसको दिखला रहा हूं। जहां तक कालका-शिमला का सवाल है इसको भी नैरोगैज से ब्राडगेज में बदलना संभव नहीं है, क्योंकि इसमें 101 गुफा है और लंबाई करीब 100 किलोमीटर है। यह पहाड़ी इलाका है और तीखा मोड़ है। इसमें अधिकतर [illegible] यात्रा करते हैं और वे यात्रा का आनंद भी लेते हैं इसमें जो गाड़ी है उसका नाम ही डीलक्स है, वह डीलक्स की तरह पूरा का पूरा नाम है शताब्दी की तरह उसमें पूरा का पूरा सुख-सुविधा है।

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Operation of Mid-Day Meal Scheme in Andhra Pradesh

*403. DR. D. VENKATESHWAR RAO:
SHRIMATI JAYAPRADA NAHATA:

Will the Minister of HUMAN RESOUCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether the Government of India in mid-August last year announced mid-day meal scheme to be introduced in various States including Andhra Pradesh;

(b) if so, whether the Food Corporation of India which was supposed to